

खबर संक्षेप

नारायणगंज में जन्माष्टमी पर यादव समाज द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन तैयारी जोरों पर



नारायणगंज। श्री कृष्ण जन्माष्टमी की पावन अवसर पर आगामी 4 सितंबर को यादव समाज द्वारा नारायणगंज में एक भव्य संस्कृति एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव को लेकर स्थानीय समाज जनों और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है कार्यक्रम की रूप रूपांशु बनाकर के लिए यादव समाज के वरिष्ठ जनों और युवाओं की एक विशेष बैठक आयोजित की गई है जिसमें आयोजन को भव्य रूप देने का निर्णय दिया गया है कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण शोभा यात्रा 4 सितंबर को सुबह भगवान श्री कृष्ण की मनमोहक झांकी के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम किया जाएगा संस्कृत प्रतियां शाम के समय बच्चों और कलाकारों के द्वारा भजन रासलीला और नृत्य की विशेष प्रस्तुतियां दी जाएंगी महा आरती एवं प्रसाद वितरण रात्रि 12-00 बजे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के साथ ही महा आरती की जाएगी और श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा यादव समाज के प्रतिनिधियों ने नारायणगंज एवं आसपास के सभी नगरवासी व श्रद्धालुओं से इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन युवाओं को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

पुनः खोली जायेंगी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें

शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण आवश्यक

* कलेक्टर ने जिले के अधिकारियों को चेताया।

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला

पिछले काफी समय से सीएम हेल्पलाइन में की जा रही शिकायतों को लेकर विरोधाभासी खबरें आती रही हैं एक ओर जहां प्रशासन इस बात का दावा करता है कि उनके द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है और संबंधित शिकायतकर्ता द्वारा निराकरण हो जाने के उपरांत अपनी शिकायत वापिस ले ली गई है।

वहीं दूसरी ओर शिकायतकर्ताओं द्वारा यह आरोप लगाये जाते रहे हैं कि अधिकारी उन पर दबाव डालकर शिकायतें वापिस लेने को मजबूर कर रहे हैं और जिन शिकायतकर्ताओं पर दबाव काम नहीं करता उन्हें या तो आश्वसन देकर शिकायत वापिस लेने मजबूर किया जाता है या फिर राजनैतिक दबाव का इस्तेमाल होता है।

पिछले कुछ वर्षों में जिला प्रशासन द्वारा विभागों के अधिकारियों को इस बात के प्रमाण



पत्र दिये गये कि उनके द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर और पूर्णरूपेण समाधान किया गया।

इसके बाद जिला प्रशासन से उन शिकायतों की सूची जब मांगी गई जिन शिकायतों के निराकरण की बात कही जा रही है और जिन शिकायतों के निराकरण का दावा करने वाले विभागों को सम्मानित किया जा रहा है लेकिन न तो संबंधित विभाग के अधिकारी ही सूची उपलब्ध करा सके और न ही जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में कोई जानकारी मुहैया कराई गई।

अब जबकि जिला कलेक्टर इस पूरे मामले को संज्ञान में लिया है और जिले के अधिकारियों को यह निर्देश दिया है कि निम्न गुणवत्ता से जो प्रकरण सीएम हेल्पलाइन के बंद किये गये हैं उन्हें री-ओपन कराकर

उनका संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराया जाये इससे एक ओर जहां शिकायतकर्ता शासन-प्रशासन के प्रति संतुष्ट होगा वहीं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की रैंकिंग में भी सुधार होगा।

कलेक्टर श्री धोटे ने नॉन अटेंडेड प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए और कहा कि कोई भी शिकायत नॉन अटेंडेड न रहे। 50 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का भी गंभीरता से निराकरण किया जाए।

ज्यादातर शिकायतें राजस्व विभाग से ही संबंधित होती हैं किसी का नामांतरण नहीं हो रहा तो कोई सीमांकन को लेकर महीनों से यहां-वहां भटक रहा है, किसी की भूमि पर किसी दूसरे ने कब्जा कर रखा है, तो किसी का अतिक्रमण संबंधित



होकर शिकायतकर्ता सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने मजबूर होता है।

अब जबकि कलेक्टर मण्डला द्वारा विषय की गंभीरता को देखते हुये सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण री-ओपन करने और पुनः जांच कर

संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिये गये हैं तो निश्चित रूप से पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा और विभागीय व्यवस्था भी बेहतर होगी। लोगों का अधिकारियों के प्रति विश्वास बढ़ेगा और जिस उद्देश्य को लेकर शासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन की व्यवस्था लागू की गई है उसका लाभ जनता को मिल सकेगा।

शिकायत पर नहीं

शिकायतकर्ताओं पर दबाव

शिकायतकर्ताओं को निराकरण पर नहीं बल्कि उसकी जांच को लेकर अधिकारियों को चेताया जा रहा है।

सीएम

हेल्पलाइन

181

उपग्रह सेवा शुरू

लिंगामाल में अखंड रामायण पाठ का कन्याभोजन भंडारा महाप्रसाद के साथ हुआ समापन

मण्डला। मंडला से 25 कि.मी. डिडौरी मार्ग में स्थित ग्राम पंचायत लिंगा माल (श्री त्यागी धाम) में सावन माह के दौरान आयोजित अखंड रामचरित मानस रामायण पाठ का समापन विसर्जन कन्या भोजन, संत महात्माओं और ग्रामवासियों के भंडारा महाप्रसाद के साथ किया गया प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से सावन माह में निरंतर अखंड रामचरित मानस रामायण पाठ किया गया है ग्राम पंचायत के उपसरपंच उमाशंकर झारिया ने बतलाया कि पूर्व वाहिनी माँ नर्मदा मैया के तट ब्रम्हलीन श्री श्री १००८ त्यागी जी महाराज फट्टी वाले जी की जन्मस्थली लिंगा माल के मां दुर्गा मंदिर प्रांगण में विगत कई वर्षों से सावन माह में अखंड रामायण का आयोजन किया जाता रहा है गांव में अखंड कीर्तन, अखंड रामायण, पुराण धार्मिक आयोजनों की नींव अलख मां नर्मदा जी एवं श्री प्रभु राम जी के परमभक्त संत शिरोमणि श्री श्री १००८ श्री त्यागी जी महाराज फट्टी वाले जी द्वारा किया गया था और उन्हीं की प्रेरणा से समानुक्त धार्मिक आयोजन होते आ रहे हैं ऐसे धार्मिक आयोजनों से गांव में आपसी भाईचारा सद्भाव और सत्य सुख शांति का वातावरण बना रहता है इस धर्मगंगा में मां दुर्गा सेवा समिति, महिला रामायण मंडल, नवयुवक कला मंडल, स्पोर्ट्स समिति, माताएं बहनो, युवा साथियों के साथ-साथ ग्राम के धार्मिक आयोजनों के मुख्य व्यवस्थापक श्याम बाबा झारिया, सह व्यवस्थापक परमानंद झारिया, पंडा बाबा गोपी झारिया, देवीप्रसाद, अनिल झारिया विद्युत, गौतम दादा, शिक्षक गोपाल लोमस, पुनाराम श्रीवास, अजय, रूपा, रामकृपाल, शिक्षक धीरज साहू, शिक्षक सूरज गौलिया, कैलाश सेठ, नंदकिशोर सेठ, बंशीलाल सेठ, सुखीरामसेठ, सुखचैन, मुरली, पूर्व उपसरपंच भागवत झारिया, संजीव खंडेल, धन्नीलाल, नेवतराम, भीमशंकर, शिवचरण यादव, बट्टी प्रसाद, सरमन, मोहनलाल, गणेश मुन्ना, प्रीतम झारिया, साधुराम लाला, उपसरपंच उमाशंकर झारिया, पूर्व जनपद सदस्य सतीश झारिया एवं माताएं बहनो, समस्त युवा साथियों ग्रामवासियों के तन-मन-धन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ है।



आयोजन

प्रकृति पूजा, लोक संस्कृति, परंपराओं एवं लोक कलाओं का सुंदर संगम।

बंजारा समाज का पारंपरिक 'तीज' पर्व संपन्न



* नौ दिवसीय होता है पर्व का आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला/मुआबिछिया

मंडला जिले के मवाई विकासखंड अंतर्गत ग्राम भीमडोंगरी में मुकेश नायक के निज निवास पर बंजारा समाज का सुप्रसिद्ध एवं पारंपरिक 'तीज' पर्व हर्षोल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। श्रावण मास में प्रारंभ हुआ यह नौ दिवसीय पर्व प्रकृति पूजा, लोक संस्कृति, परंपराओं एवं

लोक कलाओं का सुंदर संगम रहा। **पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने किया तीज नृत्य**

पर्व के अंतिम दिन बंजारा समाज की युवतियों एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा एवं आकर्षक आभूषणों से सज-संवरकर पारंपरिक तीज नृत्य प्रस्तुत किया। ढोल की थाप और लोकगीतों की मधुर धुन पर महिलाओं एवं पुरुषों ने सामूहिक रूप से नृत्य किया। गोल घेरा बनाकर किए गए पारंपरिक नृत्य ने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया।

इस अवसर पर समाजजनों ने

अच्छी फसल, खुशहाली, सुख-समृद्धि एवं परिवारों की मंगलकामना की। पारंपरिक गीतों और नृत्य के माध्यम से समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को झलक देखने को मिली।

ज्वारे विसर्जन के साथ हुआ नौ दिवसीय पर्व का समापन

बंजारा समाज में तीज पर्व की शुरुआत नौ दिन पूर्व विशेष टोकरियों में गेहूं के ज्वारे बोने के साथ हुई थी। नौ दिनों तक युवतियों द्वारा ज्वारों की सेवा एवं पूजा-अर्चना की गई तथा पारंपरिक गीतों के माध्यम से प्रकृति के प्रति आभार

व्यक्त किया गया।

पर्व के अंतिम दिन विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के बाद ग्राम भीमडोंगरी स्थित सास-बहू तालाब में ज्वारों का विसर्जन किया गया। इसके साथ ही नौ दिवसीय तीज पर्व का विधिवत समापन हुआ।

इस अवसर पर बंजारा समाज के जिला अध्यक्ष अनंत सिंह राठौर ने कहा कि तीज पर्व बंजारा समाज की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुजुर्गों द्वारा चली आ रही इस परंपरा के माध्यम से नई पीढ़ी अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं से जुड़ती है। यह पर्व

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा अच्छी फसल, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना का भी प्रतीक है।

कार्यक्रम में हनुमान जाट, भागवत प्रसाद गहलोत, तारेंद्र नायक, हजारी लाल राठौर, रूप सिंह गहलोत, टेकराम गहलोत, साहेब नायक, बिसाहू नायक, अक्षय परते सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्वजातीय समाजजन, महिला-पुरुष उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक पर्व में सहभागिता की और पारंपरिक संस्कृति एवं रीति-रिवाजों को जीवंत बनाए रखने का संकल्प लिया।

राधा-कृष्ण कुटी में जन्माष्टमी पर होगा भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला/नारायणगंज

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी राधा कृष्ण कुटी नारायणगंज में बड़ी श्रद्धा उत्साह और भावयता के साथ धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इस दौरान पूरा प्रांगण जय श्री कृष्णा और राधे-राधे के भजनों से गुंजायमान रहता है कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण जिसमें विशेष श्रृंगार एवं अभिषेक प्रातः काल से ही भगवान श्री कृष्ण और श्री राधा रानी का आकर्षित अलौकिक श्रृंगार किया जाता है मध्य रात्रि के शुभ मुहूर्त में बाल गोपाल का दूध दही शहद और गंगाजल पंचामृत से भव्य अभिषेक होता है मनोहर झांकियां कुटी प्रांगण में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला स्थानीय बाहरी कलाकारों द्वारा मधुर भजन संध्या अखंड हरी नाम संकीर्तन का आयोजन होता है जिसमें श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते नजर आते हैं मटकी फोड़ प्रतियोगिता जन्माष्टमी या फिर उसके अगले दिन नंदोत्सव के अवसर पर युवाओं और बालकों के लिए मटकी फोड़ दही हांडी



कार्यक्रम का आयोजन भी उत्साहितपुर किया जाता है महाप्रसाद वितरण मध्य रात्रि 12:00 बजे जन्म महा आरती के बाद उपस्थित सभी भक्तों के बीच माखन मिश्री पंजीरी और फलाहार का महा प्रसाद वितरित किया जाता है इस कार्यक्रम में राधा कृष्ण कुटी महिला मंडल नारायणगंज एवं समिति के द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें दूर-दूर से लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने आते हैं।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के साथ मनाया विमुक्ति दिवस.....

मण्डला। शासन के निर्देशानुसार विमुक्ति दिवस का आयोजन पौस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास बड़ी खैरी, मंडला में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के जनप्रतिनिधि, समाजसेवक, विद्यार्थी तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन से हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत, विभागीय योजनाओं की जानकारी, स्वल्पाहार वितरण एवं आधार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री अनंतसिंह राठौर, विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु कल्याण समिति के श्री अमरजीत सिंह चौहान, श्री पी.एस. धनगर, श्री नवल सिंह बंजारा, श्रीमती अंजना जैतवार, सहायक संचालक श्री निशांत यादव, अधीक्षक श्री मदन झारिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

108 कमल पुष्पों से हुआ माँ नर्मदा का अर्चन, रुद्राभिषेक और हवन में शामिल हुए श्रद्धालु

मण्डला। रविवार को अंजनिया स्थित वरदान आश्रम में द्वितीय 'श्री रेवा शिव नारायण अर्चन यज्ञ' पूर्ण भक्ति-भाव और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ इस पावन अवसर पर आश्रम में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनुष्ठान के दौरान भगवान शिव का रुद्राभिषेक और काह्ना जी का दिव्य अभिषेक किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण माँ नर्मदा का अर्चन रहा, जिसमें 108 पवित्र कमल पुष्पों से नर्मदा जी की आराधना की गई। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन संपन्न हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण धर्ममय और ऊर्जावान हो गया। इस पुनीत आयोजन में वरदान आश्रम के संचालक नीलू महाराज, साध्वी कल्पतरु माता जी और शिवम्-महाराज जी का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में आश्रम से जुड़े सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर जया देवी, संजय चौरसिया, विजय पटेल, पवन जाविरा, श्याम श्रीवास, घनश्याम बर्मन, लाला राम, हिमांशु सोनी, सागर, सोनम चौरसिया और नंदराम यादव सहित वरदान आश्रम परिकर के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।



सोलह श्रृंगार कर सुहागिनों ने रखा तीजा व्रत

* चांद को अर्घ्य देकर किया व्रत पूर्ण।

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला

पति की दीर्घायु और खुशहाली की कामना के लिए सिंधी समाज की महिलाओं ने तीजा का व्रत रखा, सुहागन महिलाएं पति की लंबी उम्र एवं कन्याएं सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए तीजा व्रत रखती हैं, इसके लिए एक दिन पूर्व मेहंदी रस्म अदायगी की गई, मेहंदी की आधुनिक डिजाइन को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया।

सोमवार की सुबह महिलाओं ने ब्रह्म मुहूर्त में सरंगी का सेवन किया, नए परिधानों में सोलह श्रृंगार से सजित होकर, हाथों में पूजा की थाली लेकर महिलाएं सामाजिक पुरोहित के घर विधिवत पूजन अर्चन के लिए एकत्र हुईं। सुबह तीज माता का फुलेहरा



झूले में बांधा गया, जिसमें महिलाओं ने परंपरागत रूप से झूला झुलाया इस फुलेहरे में फल, फ्रूट एवं पूजन सामग्री का समावेश किया जाता है एवं महिलाओं के द्वारा तीज के अवसर पर इसका विधिवत पूजन अर्चन किया गया। शाम को सामाजिक पुरोहित के घर तीजड़ी माता की कथा होती हुई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने शामिल होकर कथा का श्रवण किया। रात्रि को चंद्र देव की पूजा की गई, चंद्रदेव को अर्क देकर पूजा

की पूजा की एवं उनके हाथों से जल ग्रहण करके व्रत को पूर्ण किया। तीजा के अवसर पर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया और घर के बड़ों के मार्गदर्शन में परंपराओं का निर्वहन किया गया। इस अवसर पर पति ने पत्नियों को उपहार भेंट किया और दिन को यादगार बनाया।

पारंपरिक ड्रेस कोड रहा महिलाओं की पहली पसंद

तीज पर्व पर पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है। इसमें महिलाओं ने कुछ दिन पहले से ही तैयारी की। देखा गया कि महिलाओं की पहली पसंद पारंपरिक साड़ी, लहंगा, जो कि तीज व्रत पर महिलाओं का पसंदीदा परिधान माना जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने रेड, पिंक, रानी, ग्रीन कलर की साड़ी एवं लहंगा, सूट धारण किया। तीज पर्व में महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया और आकर्षक परिधानों से पर्व को यादगार बनाया।



आरपीएफ सहित रेल पुलिस की अन्देखी गाइरवारा स्टेशन पर रेल यात्रियों की जिन्दगी को डाल रहे खतरे में

आटो चालकों की मनमानी को नजर अंदाज करना संरक्षण की मुद्रा को कर रही उजागर..?

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों के लिये अच्छी सुविधायक प्रदान करने के लिये नई नई व्यवस्थायें बनाते हुये देखा जा रहा है। मगर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस सहित रेल सुरक्षा फोर्स की उदासीनता के चलते रेल यात्रियों को जिस प्रकार से परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। क्योंकि नगर के रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर जिस तरह आटों चालकों की मनमानी देखने मिल रही है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी रेल पुलिस से लेकर रेल सुरक्षा फोर्स की चुप्पी निश्चित उनकी कार्यशैली पर सबाल खड़े करने से नहीं चूक रही है..? नगर के रेलवे स्टेशन का जो नजारा देखने मिल रहा है उससे यह प्रतीत होने से नहीं चूक रहा है कि मानों रेल प्रशासन द्वारा आटों सहित वाहन मालिकों को मनमानी करने के लिये पूर्णरूप से छूट प्रदान कर दी गई है। इसी का परिणाम है कि वह रेलवे प्लेट फार्म के मुख्य द्वार के सामने खड़े होकर जिस तरह मनमानी करते हुये देखा जा रहा है उसके चलते रेल यात्रियों का प्लेट फार्म से नीचे आना मुश्किल हो रहा है। इस स्थिति में रेल यात्रियों की जिन्दगी खतरे से खाली नहीं बच पा रही है..? क्योंकि रेल यात्रियों की सुरक्षा से लेकर रेलवे प्लेट फार्म व परिसर की संपूर्ण जिम्मेदारों रेल सुरक्षा फोर्स सहित रेल पुलिस की होती है। मगर स्थानीय रेलवे स्टेशन के हाल तो यह बने हुये है



कि मानों आरपीएफ व जीआरपी पुलिस को कोई लेना देना ही नहीं है..? इसी का परिणाम है कि जहां आटों चालक अपनी सबारियाँ बैटने के लिये रेलवे प्लेट फार्म के मुख्य द्वार पर अपने

आटों खड़े करते हुये यात्रियों का इंतजार करने से नहीं चूकते हैं। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशन के लिये अपने किसी रिस्तेदार या फिर सगे संबंधी को लेने के लिये पहुंचने वाले लोगों द्वारा भी अपने वाहनों को मुख्य द्वार के ठीक सामने खड़े कर दिये जाते हैं। इस स्थिति में जब रेल यात्री प्लेट फार्म से नीचे आते हैं तो उन्हें परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। इसमें सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को झेलने पड़ती है जब कोई रेल यात्री यात्रा करने के लिये स्टेशन पहुंचता है और उसकी ट्रेन प्लेट फार्म पर खड़ी होने के साथ साथ छूटने की स्थिति में रहती है तो इस तरह स्टेशन के मुख्य द्वार पर अघोषित रूप से बने हुये वाहन स्टेशन के चलते लोग अपनी ट्रेन पकड़ने से चूक जाते हैं। इस दौरान सबसे अधिक महिला यात्रियों को झेलते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि मुख्य द्वार पर खड़े होने वाले

वाहनों के चलते महिलाओं का प्लेट फार्म पर पहुंचने से लेकर नीचे आना भी मुश्किलों से खाली नहीं रहता है। हद तो तब हो जाती है जहां रेलवे प्लेट फार्म के पास अपने वाहनों के साथ मनचले खड़े हुये ट्रेन से आने जाने वाली महिलाओं के साथ छिटाकशी करने से नहीं चूकते हैं। इतना ही प्लेट फार्म के सामने पड़े हुये रेलवे की खाली जगह पर अनेक तत्वों द्वारा नियम विरुद्ध जिस तरह से अपने चाय, पान सहित अन्य प्रकार की सामग्री विक्रय करने वालों द्वारा हाथ ठेलें स्थापित किये गये हैं उन पर दिन भर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहने के चलते वह महिला यात्रियों को आते जाते समय छिटाकशी करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इस तरह नगर के रेलवे स्टेशन की लगातार बिगड़ रही व्यवस्थाओं के चलते रेल यात्रियों को जहां दहशत में देखा जा रहा है..? इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा इस सच्चाई को प्रमुखता के साथ



उजागर किया गया था। वहीं बोते हुये वर्ष नगर के समाज सेवा आशीष राय द्वारा भी रेल प्रबंधन से आटों व वाहन चालकों की मनमानी को रेल सुरक्षा फोर्स द्वारा नजर अंदाज किये जाने की शिकायत किये जाने के बाद रेल प्रबंधन द्वारा गंभीरता से लते हुये एक पत्र जारी करते हुये कार्यवाही का भरोसा दिया गया था। इस आदेश के चलते चंद दिनों तक रेल सुरक्षा फोर्स के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ रेल पुलिस द्वारा कार्यवाही के चंद दिनों तक औपचारिता निर्भाई गई थी। मगर वह चार दिन की चांदनी फिर अधियारी रात साबित होने से नहीं चुका..? इस तरह रेल सुरक्षा फोर्स की उदासीनता पूर्ण कार्यप्रणाली का परिणाम है कि गाइरवारा रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की जिन्दगी खतरे से खाली दिखाई नहीं दे रही है। वहीं दूसरी ओर आटों चालकों सहित अन्य वाहन मालिकों के हैसले पूर्ण बुलंदियों पर नजर

आ रहे हैं..? वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशन परिसर के अंदर यानि की रेल विभाग की भूमि पर जिस तरह अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये दुकानें सजी हुई हैं उन पर दिन भर तत्वों का जमावड़ा लगा रहने के चलते महिला यात्रियों को आने जाने में काफी परेशानी का सामना करते हुये देखा जा रहा है..? बताया जाता है कि रेल विभाग की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अपने हाथ ठेला स्थापित करते हुये पान, फूटा फल्लू सहित अन्य प्रकार की दुकानें स्थापित की गई हैं। इन दुकानों पर आवागर्दी करने वालों के दिन भर मटर गस्ती करते हुये देखा आना आम बात बन चुकी है। रेल प्रबंधन से आमजन द्वारा मांग की जाती है कि रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म मुख्य द्वार के सामने खड़े होने वाले आटों सहित अन्य वाहनों के आलवा रेलवे स्टेशन परिसर में नियम विरुद्ध स्थापित की गई दुकानों को हटवाया जावे।

गैडी प्रतियोगिता बनी आकर्षण का केन्द्र, सहावन में आयोजित युवा ने जोश के साथ लिया भाग

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही भौतिकवादी युग में लोग पुराने खेल व अन्य परम्पराओं को भुलाते जा रहे हैं। मगर इसके बाद भी जब इन पुरानी परम्पराओं का प्रदर्शन होता है तो आकर्षण का केन्द्र बनने से नहीं चूकता है। कुछ इसी प्रकार से सालीचौका क्षेत्र के ग्राम सहावन में रक्षा बंधन के बाद हर साल गैडी प्रतियोगिता का का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन को देखने के लिये जहां दूर दूर के गांवों के लोग पहुंचते हैं। वहीं दूसरी ओर इस आयोजन में युवा भाग लेते हुये गैडी पर चलते हुये



जिस तरह प्रदर्शन करते हैं उन्हें पुरूस्कृत किया जाता है। इसी के चलते बीते हुये दिवस ग्राम सहावन में आयोजित की गई गैडी प्रतियोगिता संपूर्ण क्षेत्रवासियों के लिये आकर्षण का केन्द्र बनने से नहीं चूक पाई और इस आयोजन को देखने के लिये लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। बताया जाता है कि एक लकड़ी के बीचों बीच पैर के पंजा के समान पटिया लगाते हुये लोग उस पर खड़े होकर कीचड़ के बीच चलकर अपना प्रदर्शन करते हैं। जो व्यक्ति अधिक देर तक इस गैडी के ऊपर खड़ा रहकर चलने में सफल होता है उसक सर्व श्रेष्ठ घोषित किया जाता है।

एनएसडी की अभिनय कार्यशाला में मास्टर क्लास का हुआ आयोजन, चरित्र और साँस ही अभिनय की आत्मा हैं -राणा

हरिभूमि न्यूज/ गाइरवारा। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत तथा रंगसरोकार नाट्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में इन दिनों नगर में संचालित एक माह की प्रस्तुति-परक अभिनय कार्यशाला में शनिवार को फिल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी अशुतोष राणा ने प्रशिक्षु अभिनेताओं के लिए विशेष मास्टर क्लास आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने अभिनय, चरित्र निर्माण तथा अभिनेता के आंतरिक अनुशासन पर विस्तार से अपने अनुभव साझा किए। बताया जाता है कि अपने संबोधन में अशुतोष राणा ने कहा कि चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा तब होती है। जब कोई देख नहीं रहा होता। प्रतिष्ठा समाज की दृष्टि में बनती है, जबकि चरित्र हमारे एकांत में लिए गए निर्णयों से निर्मित होता है। महान चरित्र कभी स्वयं का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि अपने आवरण से प्रकट होता है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रंगमंच केवल अभिनय की कला नहीं, बल्कि स्वयं को जानने और सत्य के साथ जीने की साधना है। अभिनेता जितना अपने भीतर के सत्य से जुड़ता है, उतनी ही प्रामाणिकता से वह मंच पर किसी दूसरे

पात्र का जीवन जी पाता है। मास्टर क्लास के दौरान उन्होंने अभिनय में साँस की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि साँस ही अभिनेता की ऊर्जा, भाव, लय और संवाद की वास्तविक आधारशिला है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों को समझाया कि नियंत्रित और सजग श्वास अभिनय को अधिक स्वाभाविक, प्रभावशाली और जीवंत बनाती है। उन्होंने कहा कि अभिनय केवल संवाद बोलना नहीं, बल्कि शरीर, मन और साँस के सामंजस्य से भावों का सृजन करना है। अशुतोष राणा ने आगे अभिनेता की तैयारी, पात्र के मनोविज्ञान, एकाग्रता, कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता, अवलोकन क्षमता, मंचीय अनुशासन, संवाद की स्वाभाविकता तथा आंतरिक लय जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रशिक्षुओं को नियमित अध्ययन, निरंतर अभ्यास और जीवन के सूक्ष्म अनुभवों से सीखने की प्रेरणा दी। मास्टर क्लास के दौरान प्रशिक्षु कलाकारों ने उत्कृष्टपूर्वक सहभागिता की तथा अभिनय संबंधी अनेक जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने इसे अपने



प्रशिक्षण का अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक सत्र बताया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित यह कार्यशाला गाइरवारा में युवा कलाकारों को अभिनय, वाँइस एवं रसोच, शरीर संवाहन, रंगमंचीय खेल, दृश्य विश्लेषण तथा नाट्य प्रस्तुति का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्रीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर की रंगमंचीय शिक्षा उपलब्ध करना तथा भारतीय रंगपरंपरा के नूतन से जोड़ना है।

राखी का धागा राष्ट्र के लिए समर्पित हर उस व्यक्ति के प्रति स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता का बंधन है।

हरिभूमि न्यूज/ गाइरवारा। निश्चित ही रक्षा बंधन का त्यौहार भाई बहिन के स्नेह का प्रतिक तो रहता है। मगर यह राखी का धागा सम्मान व कृतज्ञता का बंधन होता है। इसी के चलते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन एवं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे के नेतृत्व में प्रदेशभर में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बहनों द्वारा अपनी पार्टी के कार्यकर्ता भाइयों के साथ साथ सफाई कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष), स्कूल शिक्षकों (महिला एवं पुरुष), अस्पताल कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष), साधु-संतों, ओटो रिक्शा चालकों एवं सहित सभी को सुरक्षा प्रदान करने वाले पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं



कृतज्ञता व्यक्त की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा स्थानीय पुलिस थाने पहुंचकर जहां नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान सहित थाने में मौजूद सभी पुलिस कर्मियों को राखी



बांधते हुये नगर की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के लिए उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती स्मृति देवेश जैन,

भाजपा मंडल मंत्री श्रीमती प्रीति राजा नीखरा, भाजपा मंडल मंत्री श्रीमती रुचि राकेशिया, नगर जैन समाज अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जैन एवं श्रीमती रेखा खर्जाओं सहित अन्य कार्यकर्ता बहनें मौजूद थीं।

खडई में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित



हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। निश्चित तौर से जब गांव का बेटा या बेटा कोई सफलता हासिल करता है तो संपूर्ण गांव ही नहीं क्षेत्र का नाम रोशन होने से नहीं चूकता है। इस तरह गांवों में छिपी हुई प्रतिभाओं के चलते गामवासी गौरव महसूस करने से नहीं चूकते हैं। बताया जाता है कि विगत वर्ष आयोजित प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा में चौचली ब्लॉक अंतर्गत गाम खडई के शाकरीय उत्तमर माध्यमिक विद्यालय के दो अतिथि शिक्षकों एवं एक कंप्यूटर ऑपरेटर का चयन हुआ है। विद्यालय में श्रीमती रोशनी राजपूत जो कि अतिथि शिक्षक वर्ग 3 लेब के पद पर कार्यरत थी उनका चयन माध्यमिक शिक्षक हिंदी विषय में तथा अमन राजपूत कंप्यूटर ऑपरेटर का चयन प्राथमिक शिक्षक में एवं अमित नामदेव अतिथि शिक्षक वर्ग 2

माध्यमिक शाला खडई का चयन प्राथमिक शिक्षक के पद पर पर होने से गामवासियों में खुशी का महील देखने मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर इन शिक्षकों के चयन पर विद्यालय में प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य विवेक झाड़िया द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों को नई जिम्मेदारियों मिलने पर अभिनंदन पत्र और माँ नर्मदा का चित्र भेंट किया गया। इस कार्यक्रम का संवाहन प्रशांत शर्मा एवं सदाशिव गोटिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लीलाधर चौधरी, राजवेंद्र राजपूत, महेंद्र कौरव, नीरज श्रीवास, दुर्गेश विश्वकर्मा, दिनेश मेहरा, धर्मेन्द्र चौहान, शोला लोधी, मोनिका पटेल, ऊर्जा शर्मा अतिथि शिक्षकों एवं रानी कौरव, माही साहू, तनु लोधी, अमृता मालवीय, प्रिया कौरव अंशुल कौरव, ईशांत कौरव, विवेक कौरव सहित छात्र छात्राये मौजूद रहे।



खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने बनाई खेल आकृतियां

हरिभूमि न्यूज/ गाइरवारा। रक्षा बंधन अवकाश के उपरांत जब सोमवार को बच्चे अपनी शिक्षण संस्थाओं में पहुंचे तो उनके दिलों में खेल के प्रति काफी चहल पहल उमड़ने से नहीं चूक रही थी। क्योंकि सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के परिपेक्ष्य में ग्राम सांगई की एकिकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में छात्र छात्राओं ने कागज पर विभिन्न खेल आकृतियां बनाई एवं खेलों के महत्व को प्रतिपादित किया। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी आदेशानुसार छात्र छात्राओं ने दिन के अंतिम काल खंड में सफेद कागज पर हॉकी, बैट, बॉल, फुटबाल, गिल्ली, डंडा एवं बैडमिंटन खेल से जुड़ी आकृतियां बनाई। वहीं अंत में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने स्वयं स्वस्थ रहकर खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने की शपथ ली। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटेल एवं अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव ने छात्र छात्राओं को बताया कि भारत के राष्ट्रीय खेल हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की जयंती पर उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सभी सुबह जल्दी जागकर योगा करें, मार्निंग वॉक पर जाएं एवं संतुलित आहार लेकर मोटापे से बचें। वहीं शिक्षक पटेल द्वारा बताया कि खेलों के माध्यम से लोग स्वास्थ्य रहने के साथ निरोगी भी बनते हैं। इस लिये खेल सहित लगातार स्वच्छता अभियान को लेकर शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर इस वर्ष गाइरवारा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय शलेश्वर क्लिके प्रतियोगिता की जानकारी से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में शाला के प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद पाठव, विवेक नाईक, देवेन्द्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर सहित अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बोहरे महाराज का निधन
हरिभूमि न्यूज/बारहाबाड़ा। स्थानीय निवासी व मिलनसार स्वभाव के धनी राजकुमार व कमलेश बोहरे के पिताश्री राम प्रताप बोहरे का बीते हुये दिवस बीमारी के चलते निधन हो गया। बताया जाता है कि राम प्रताप बोहरे लगभग 75 वर्ष के थे। स्व. बोहरे की शव यात्रा में ग्राम बारहाबाड़ा सहित आपसपास के अनेक गांवों के लोगों ने शामिल होकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।



खाद्य विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से बीच जा रही एक्सपायरी तिथि की सामग्री

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से सरकार द्वारा कुछ वर्ष पूर्व शुरू के लिये युद्ध की मुहिम चलाते हुये आम जनता के स्वास्थ्य के प्रति अपनी सजकता दिखाई गई थी। वह मात्र चार दिन की चांदनी फिर अधिकारी रात ही साबित होते हुये जान पड़ी। क्योंकि इस मुहिम के चलते निश्चित तौर से जहां संबंधित विभाग के अधिकारियों की चांदी होने से नहीं चुकी थी..? वहीं दूसरी ओर मिलावटी सामग्री की जांच मात्र एक औपचारिकता पूर्ण हो जान पड़ी थी और इस मुहिम के कुछ दिन चलने के बाद जिस प्रकार से ठंडे वस्ते में जाते हुये देखी जा रही है उसके चलते फिर बाजार में मिलावटी सामग्री से लेकर गुणवत्ता हीन और जिस सामग्री की उपयोग करने की तिथि ही समाप्त हो चुकी है उसका विक्रय होते हुये देखा जा रहा है। बताया जाता है कि मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों की मात्रा खसी बढ़ गई है। क्योंकि खुले सामान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आइटम की ओर आकर्षित होने से नहीं चूक रहे हैं और इसी का फायदा दुकानदारों द्वारा उठाते हुये उन्हें गुणवत्ता हीन तथा उपयोग करने की तिथि समाप्त हो चुकी सामग्री विक्रय करते हुये देखे जा रहे हैं। इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ गाम की एक दुकान पर उस समग्र देखी गिली जा एक दुकान से बच्चों द्वारा विस्कृत खरिद होने के बाद जब जब बच्चों को उलटी लेनी लगी। इस तरह जब परिवार के लोगों द्वारा उस विस्कृत के पैकेट को देखा गया तो उसमें उपयोग करने की तिथि दो खाना पहले समाप्त हो चुकी है। इस तरह एक्सपायरी तिथि की सामग्री विक्रय होने से गमासु बच्चों की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नहीं चूक रही है। मगर हैरत देस बात की है कि जिले में पदस्थ खाद्य विभाग के अधिकारियों को शायद ही आज तक किसी ने इस तरह क्षेत्र की दुकानों का निरीक्षण व कार्यवाही करते हुये कभी देखा गया है..? यह बात जरूर है तक तिते ल्यौहार के समय जरूर यह अधिकारी चंद दुकानों पर सामग्री जांचने की औपचारिकता निभाते हुये देखे जाते हैं।



खबर संक्षेप

पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण को लेकर



आंदोलन की चेतावनी
डिंडोरी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक संगामीय अध्यक्ष प्रकाश नारायण अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत मां नर्मदा की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस दौरान नेपाल त्रासदी में दिवंगत आत्माओं तथा संगठन के कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष रामाश्रम पटेल के बड़े भाई स्वर्गीय रामशरण पटेल को दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा जबलपुर द्वारा वरिष्ठ पेंशनरों को अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने के मामले में सदस्यों ने तीव्र नाराजगी व्यक्त करते हुए विवा प्रस्ताव पारित किया। साथ ही लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त स्थल सहायकों के लंबे समय से लंबित एरिसर्स भुगतान के प्रकरण पर भी चर्चा की गई। प्रकरण के निराकरण के लिए संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा जबलपुर कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सेवानिवृत्त शिक्षकों के अर्जित अवकाश नगदीकरण से जुड़े लंबित प्रकरण पर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन का प्रतिनिधिमंडल जनसुनवाई में कलेक्टर को समस्या से अवगत कराएगा। इसके बाद भी प्रकरण का निराकरण नहीं होने पर संगठन द्वारा आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में नवागत सदस्य रामलाल रजक का सम्मान किया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की सदस्यों ने उपस्थित पेंशनरों को राखी बांधी तथा पेंशनरों ने एक-दूसरे को कजलियां भेंट कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। बैठक के अंत में हर्बल लाइफ की कार्यकर्ता रचना रजक द्वारा वरिष्ठ पेंशनरों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बैठक में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे।

समरसता संकल्प यात्रा का हुआ स्वागत

डिंडोरी। समरसता संकल्प यात्रा के डिंडोरी जिले के सकुता मंडल में प्रवेश पर विभिन्न गांवों में ग्रामीणों द्वारा यात्रा का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने कतई यात्रा विफलकर विधिवत पूजन-अर्चन किया और यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। यात्रा का उद्देश्य सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे एवं एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। सकुता मंडल में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं यात्रा संयोजक महेश धूमिकेरी, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष परशुराम नाथो, मंडल अध्यक्ष अजित साह सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन विश्वास अभियान शिविर में पशुपालकों को दी योजनाओं की जानकारी



कार्ड (केसीसी) के आवेदन लिए गए। इसके अलावा दो पशुपालकों को बकरी पालन तथा दो पशुपालकों को चारा बीज का वितरण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने पशुपालकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के साथ पशुधन की बेहतर देखभाल एवं रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी। शिविर के दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने पशु चिकित्सालय समनापुर एवं पशु चिकित्सालय बजाग का निरीक्षण भी किया। इस दौरान पशु चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बलराम जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर जिले में होंगे विविध आयोजन

डिंडोरी। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जनसहभागिता के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, कृषि एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार कार्यक्रमों की तैयारियों, समन्वय एवं सफल संचालन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। बलराम जयंती 2 सितंबर को बलराम कृषि महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। इस दौरान पारंपरिक कृषि कलाओं की प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों, उन्नत बीजों एवं प्राकृतिक खेती पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। किसानों के लिए कृषि संचाद का भी आयोजन होगा। वहीं 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जिलेभर में उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ मनाई जाएगी। विद्यालयों में मटकी एवं बांसुरी प्रतियोगिता, जीवंत झांकियां, श्रीकृष्ण के प्रसंगों पर भाषण प्रतियोगिता तथा बाल स्वरूप प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। प्रमुख मंदिरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष साज-सज्जा एवं स्वच्छता अभियान के साथ मटकी फोड़, बांसुरी वादन, भजन-कीर्तन, दीप प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक आरती जैसे कार्यक्रम होंगे। 29 अगस्त से 4 सितंबर तक आंगनवाड़ी केंद्रों एवं प्राथमिक शालाओं में बच्चों के लिए विशेष पोषण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों को पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिले के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर भक्तिमय एवं सांस्कृतिक वातावरण निर्मित किया जाएगा।

वनग्रामों में जन विश्वास अभियान के दिन लगेगे विशेष कैंप

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त, फार्मर आईडी व ई-केवाईसी जल्द पूर्ण करने के निर्देश



स्थापित कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले। अग्रणी बैंक प्रबंधक को पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के

तहत राशि एवं सब्सिडी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं सीईओ जिला पंचायत एवं नगर पालिका अधिकारी को आवासीय क्षेत्रों में जलभराव की समस्या का तत्काल निराकरण कराने को कहा गया। बैठक में कलेक्टर ने सभी एसडीएम को फार्मर आईडी तैयार करने के कार्य की प्रतिदिन समीक्षा करने तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों से समन्वय कर इसे शीघ्र शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों को कृषकों की ई-केवाईसी और फार्मर आईडी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही या विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। ई-केवाईसी एवं फार्मर आईडी पूर्ण होने से पात्र किसानों को शासन की कृषि योजनाओं, अनुदान एवं अन्य सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में डीएफओ अशोक सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चंद्रविजय महाविद्यालय में सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम शुरू



डिंडोरी। शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय डिंडोरी में प्राचार्य डॉ. अमर सिंह बुद्धे के मार्गदर्शन में पीएम उषा कोपेन्ट-3 के अंतर्गत सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन शेडमैप, उद्यमिता विकास केंद्र डिंडोरी के तत्वावधान में समन्वयक एसके शर्मा के सौजन्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में रिसर्च मेथडोलॉजी विषय पर विशेषज्ञ डॉ. रत्नेश तिवारी ने शिक्षकों को शोध की आधारभूत अवधारणाओं, उसकी उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न औषधीय पौधों, मुनगा एवं हल्दी पर किए जा रहे अनुसंधानों के उदाहरण देते हुए शोध की उपयोगिता को सरल तरीके से समझाया। साथ ही शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिया। पीएम उषा परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. अमित कुमार बेलिया ने कार्यक्रम की उपयोगिता बताते हुए कहा

कि यह प्रशिक्षण शोध कार्य में जुटे शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही वरिष्ठ प्राध्यापकों को शोध मार्गदर्शक के रूप में आगे बढ़ने में भी इससे सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में करीब 45 प्रोफेसर्स एवं शिक्षकों ने पंजीकन कराया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शोध प्रविधि कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. पार्वती कुशराम ने सात दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा एवं समय-सारिणी से उपस्थित शिक्षकों को अवगत कराया। महाविद्यालय में शेडमैप के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए ब्यूटी एंड वेलेनेस, मार्केटिंग एंड सेल्स प्रमोशन तथा कंप्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग एवं सीसीटीवी इंस्टॉलेशन विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें करीब 40-40 विद्यार्थी प्रतिदिन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न दिवस पर अमरपुर में कार्यशाला आयोजित

मिलेट्स के पोषण, स्वास्थ्य लाभ और जलवायु अनुकूल खेती पर विशेषज्ञ ने दी जानकारी

अमरपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र डिंडोरी, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के तत्वावधान में सांदीपनी विद्यालय, अमरपुर में विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को श्री अन्न (मिलेट्स) के पोषण महत्व, स्वास्थ्य लाभ तथा जलवायु परिवर्तन के दौर में इसकी खेती की उपयोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला की मुख्य वक्ता क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र डिंडोरी की वरिष्ठ

वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मनीषा श्याम थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार और बाजरा सहित विभिन्न मिलेट्स में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और इनके स्वास्थ्यवर्धक गुणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिंडोरी जिले के पारंपरिक खान-पान में शामिल श्री अन्न आज स्थानीय भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने पौष्टिक गुणों के कारण वैश्विक स्तर पर 'सुपरफूड' के रूप में पहचान बना रहा है। डॉ. श्याम ने कहा कि श्री अन्न कुपोषण की समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। साथ ही, कम पानी में उत्पादन और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में भी बेहतर अनुकूलन क्षमता के कारण मिलेट्स की खेती बदलती जलवायु के दौर में किसानों के लिए

उपयोगी विकल्प साबित हो सकती है। कार्यशाला के दौरान विभिन्न प्रकार के श्री अन्न की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में मिलेट्स की विभिन्न प्रजातियों, उनके बीजों तथा उनसे तैयार किए जाने वाले खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर श्री अन्न की विविधता और उपयोगिता की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांदीपनी विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार सुरीन ने की। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवसायिक शिक्षक (कृषि) अशोक कुमार यादव, समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार ने क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र डिंडोरी की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएमश्री शासकीय माध्यमिक शाला बांकी में हुआ विदाई समारोह

शहपुरा। जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षा विभाग में 43 वर्षों की लंबी एवं निष्कलंक शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद पीएमश्री शासकीय माध्यमिक शाला बांकी के प्रधानाध्यापक गोविन्द प्रसाद साह 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार एवं संकुल के शिक्षकों द्वारा विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके दीर्घ सेवाकाल और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए योगदान को याद किया गया। गोविन्द प्रसाद साह ने अपने सेवाकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने कस्टरी पिपरिया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करौंदी में शिक्षक के रूप में सेवाएं दीं। इसके बाद विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) शहपुरा के पद पर रहते हुए विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में वे पीएमश्री शासकीय माध्यमिक शाला बांकी में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे।



विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने श्री साह का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर

उनका सम्मान किया गया। वक्ताओं ने उन्हें समर्पित शिक्षक, कुशल प्रशासक एवं अनुशासनप्रिय मार्गदर्शक बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में श्री साह का योगदान और उनका मार्गदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए गोविन्द प्रसाद साह भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 43 वर्षों का सेवाकाल उनके जीवन की अमूल्य पूंजी है। इस दौरान सहकर्मियों से मिले सहयोग और विद्यार्थियों से मिले स्नेह को वे हमेशा याद रखेंगे। सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके पैतृक गांव करौंदी में भी पारिवारिक एवं सामाजिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। परिवारजनों, समाजजनों एवं ग्रामीणों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य शिवचरण आर्मी, समाजसेवी मोहितलाल साह, अजय कुमार साह, लक्ष्मण प्रसाद साह, तीरथ प्रसाद साह, मूलचंद साह, जनशिक्षक दिनेश साह, छोटेलाल साह, कछेडी साह, दशरथ साह, मायाराम साह, शिक्षक मोहब्बत लाल झांरिया, विजय कुमार साह, पत्रकार भीमशंकर साह, शारदा नामदेव सहित परिवारजन, विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कजलियां पर्व पर माताओं एवं बहनों ने निकाली मत्स्य यात्रा

राजनगर। पर्व के प्रति उत्साह और उल्लास दिखाई दिया। आयोजन को सफल बनाने में समाजसेवियों एवं युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी हरिशंकर 'पुल्लू' दुबे, मनोहर जायसवाल, अश्वनी यादव, राहुल जायसवाल, आलोक साह, हसनैन अंसारी, मो. साहिल, बिन्नु यादव, राहुल सिंह, हरीश ठाकुर, इमरान खान 'बंटी', रोहित केवट, अशोक साह, कृष्णा तिवारी, चौकू श्रीवास्तव, भूरा जायसवाल, आकाश केवट, गिरधारी सहित आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कजलिया पर्व हमारी समृद्ध लोकपरंपरा, आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में हर वर्ष की भांति इस वर्ष जोड़ा तालाब राजनगर एवं प्राचीन शिव मंदिर इस पर्व का प्रमुख केंद्र रहा। कजलिया पर्व के पावन अवसर पर माताओं एवं बहनों द्वारा श्रद्धा, उत्साह और उमंग के साथ भव्य यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताओं, बहनों, एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्व की खुशियां मनाई। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में धार्मिक एवं पारंपरिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। माताओं एवं बहनों की सहभागिता से यात्रा आकर्षण का केंद्र बनी रही। नगर में जगह-जगह

23 वर्ष की सेवा के बाद प्राथमिक शिक्षक सत्यवती अवधिया सेवानिवृत्त



शहपुरा- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रयपुरा (शहपुरा) में सोमवार को प्राथमिक शिक्षक सत्यवती अवधिया के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों की

सत्यवती अवधिया ने अपने 23 वर्ष के सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं दीं। उनके सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

कर्मचारी के साथ फैक्ट्री मालिक ने की मारपीट



नरसिंहपुर। फैक्ट्री मालिक द्वारा शराब के नशे में बिना कारण गाली-गालौज कर मारपीट करने, मोबाइल एवं वाहन छीनने, वेतन नहीं देने की धमकी देने तथा जान-माल की सुरक्षा के संबंध में सोमवार को पुलिस अधीक्षक को एक युवक ने आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। संजीव लोनी रामनगर, जिला मेहर के निवासी एवं वर्तमान में करेली बाईपास स्थित ट्रेली फैक्ट्री में काम करने वाले ने आवेदन में बताया कि पिछले लगभग तीन माह से उक्त फैक्ट्री में कार्यरत हूँ, जबकि इससे पूर्व भी लगभग दो वर्ष तक इसी फैक्ट्री में काम कर चुका हूँ। दिनांक 30-8-26 की रात लगभग 8 बजे मैं अपना नियमित कार्य पूरा करने के बाद पूरे प्लांट का निरीक्षण कर आराम करने के लिए चला गया था। इसी दौरान रात लगभग 12स्30 बजे फैक्ट्री मालिक अनमोल जैन शराब के नशे में वहां आए। उन्होंने बिना किसी कारण मेरे साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और मेरे साथ लात-घुंसी से मारपीट करने लगे। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। उक्त व्यक्ति ने भी मेरे साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान मेरी गाड़ी और मोबाइल फोन भी मुझसे वापस कराई गई। उक्त फैक्ट्री मालिक द्वारा पूर्व में भी चार-पांच अन्य लोगों के साथ शराब के नशे में मारपीट की घटनाएं की गई हैं। आवेदक ने बताया कि मैंने करेली थाना में जाकर रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है, क्योंकि मुझे आशंका है कि फैक्ट्री मालिक प्रभावशाली एवं दबंग व्यक्ति हैं तथा स्थानीय स्तर पर उनका प्रभाव है। मुझे भय है कि शिकायत करने के कारण मेरे साथ दोबारा कोई अप्रिय घटना हो सकती है, यहां तक कि मेरी जान को भी खतरा हो सकता है। इसके अतिरिक्त फैक्ट्री मालिक द्वारा मुझे यह भी कहा गया है कि मेरी महत्व की पेमेंटधेतन नहीं दिया जाएगा। श्रमिक संजीव लोनी ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए फैक्ट्री मालिक पर पड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जरजोला में रोपे पौधे



नरसिंहपुर। जिले की जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत जरजोला में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अभियोग कार्यकम आयोजित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आम, जामुन, कटहल, नींबू, बेल एवं अनार सहित कुल 51 फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

फुटबॉल टूर्नामेंट पांच महिला रेफरी दिखाएंगी प्रतिभा

नरसिंहपुर। जिले की महिला खिलाड़ियों ने फुटबॉल के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शसकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर की पांच महिला रेफरी इंडोर के महू में 31 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक आयोजित राज्य स्तरीय जूजियर वर्ल्स अंडर जिला फुटबॉल टूर्नामेंट में मैच अधिकारियों के रूप में अपनी प्रतिभा और दक्षता का प्रदर्शन करेंगी।

आध्यात्मिक वैज्ञानिक एवं आयुर्वेद सम्मत हैं नारी जाति के व्रत : पं प्रमोद पजोरी

तेंदूखेड़ा। भाद्रपद मास में नारी जाति के लिए कल्याण प्रद और मनोवांछित फलों को प्रदान करने वाले हलषष्ठी हरितालिका ऋषि पंचमी संतान सप्तमी के साथ सनातन धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण कुशोत्पाटिनी अमावस्या पोला गणेश उत्सव और भगवान विष्णु के पाश्र्व परिवर्तन का महापर्व डोल ग्यारस भी इसी भाद्रपद महीने मनाया जाता है। *हलषष्ठी व्रत 2 सितम्बर को*हलषष्ठी व्रत हरछठ संतान की लंबी आयु अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए माताएं रखती हैं। यह भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। यह श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्मोत्सव भी है जिनका मुख्य शस्त्र हल है। यह व्रत माताओं द्वारा अपनी संतान के कल्याण और संकटों से रक्षा के लिए किया जाता है।इस दिन वती नारियां शिव पार्वती गणेश कातिक्रिय का पूजन करती हैं।इसे ललही छठ चन्द्र षष्ठी हरछठ या बल्देव छठ भी कहते हैं। इस दिन भगवान बलराम और हल की पूजा होती है।इस दिन हल से जोते गए खेतों से उत्पन्न अनाज या फल खाने की मनाही होती है।केवल स्वत उत्पन्न होने वाले तिन्नी के पसाईं धान के चावल और महुआ का विशेष उपयोग किया जाता है।इस दिन केवल भैंस के दूध दही और घी का सेवन किया जाता है। गाय के दूध-दही का प्रयोग चरितं माना जाता है।इस दिन श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था। इस दिन महिलाएं अपने पुत्र की लंबी आयु और समृद्धि के लिए माताएं हलषष्ठी व्रत रखती हैं। संतान के सर्वांगीण विकास के लिए हलषष्ठी व्रत किया जाता है *कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 4 सितम्बर को*सनातनी महापर्व श्री कृष्ण जन्माष्टमी भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी शुक्रवार को रोहिणी नक्षत्र में 4 सितम्बर को मनाया जाता है। *कुशोत्पाटिनी अमावस्या 10 सितम्बर को* भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को कुशोत्पाटिनी कुशग्रहिणी अमावस्या कहा जाता है। इस दिन विधिपूर्वक गृहण किया गया कुशा देव कार्य पितृ कार्य और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए एक वर्ष तक वैध माना जाता है।इस वर्ष यह अमावस्या 10 सितम्बर को चतुर्दशी के उपरांत मानी जायेगी। अगले दिन रत्नान दान के लिए अमावस्या रहेगी।।

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

तीन दिन बाद जागा प्रशासन...
एंबुलेंस व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण दुरूस्त होने की उम्मीद

बीते दो दिनों से जिले में एंबुलेंस सेवाएं बेपटरी हो चुकी थीं जिसे पुनः दुरुस्त करने के लिए प्रशासन सक्रिय हुआ और उम्मीद लगाई जा रही है। कि शीघ्र ही एंबुलेंस सेवाएं ठीक होगी और लोगों को उसका लाभ मिलेगा। ज्ञात हो कि बीत दो दिना से प्रशासन की लापरवाही के कारण जिले की एंबुलेंस सेवाएं टप हो गई थीं लेकिन एंबुलेंस सेवाएं टप होने से आम नागरिकों को होने वाली परेशानी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। सरकार द्वारा लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के बाद कर लाखों रूपए की राशि स्वीकृत कर अच्छी सेवाएं मिलने की कवायत लगाती है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाती है। ऐसा ही मामला जिले से सामने आया जहां पर दो दिन तक एंबुलेंस सेवा बंद रही जिसकी सूचना निरंतर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को दी गई। लेकिन सुधार नहीं हो सका उक्त समस्या से जिले के जनप्रतिनिधि भी अवगत होने के बाद भी मौन धारण कर बैठे रहे। विचारणीय यह है कि जिले मे दो मंत्रियों के होते हुए मरीजों के परिजनों को एंबुलेंस के लिए भटकना पड़ा यह भी चिंता विषय है। प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को जरा भी इस बात का खयाल नहीं रहा। लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि नेतागिरि पर



प्रशासन तंत्र हावी है।

जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई

जिले में संचालित 108 निःशुल्क एंबुलेंस दो दिन बंद रही है। इसे लेकर प्रशासन द्वारा तर्क दिया गया कि एक दिन में तीन एंबुलेंस में अचानक तकनीकी खराबी आने तथा पूर्व से ऑफ-रोड कुछ 108 एंबुलेंस के त्योहार के कारण वर्कशॉप में तत्काल सुधार नहीं हो पाने से कुछ मामलों में सेवा प्रभावित होने की जानकारी सामने आई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा के निर्देश पर 29 अगस्त 2026 को तत्काल स्थिति से राज्य कार्यालय एवं 108 सेवा के स्टेट हेड को अवगत कराया गया। राज्य कार्यालय द्वारा 108 सेवा संचालित करने वाली संबंधित कंपनी को प्रभावित वाहनों को शीघ्र दुरुस्त कर सेवा में लाने तथा जिले में पर्याप्त

वैकल्पिक एंबुलेंस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लेकिन सवाल यह है कि प्रशासन द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या निगरानी की गई। निगरानी पर लापरवाही पर उन पर क्या कार्रवाई की गई।

एंबुलेंस दो दिन में होंगी दुरुस्त

रात्रि 10 बजे 108 सेवा के स्टेट हेड से हुई दूरभाष चर्चा में बताया गया कि जिले के कुछ ऑफ-रोड वाहन पुनः सेवा में आ गए हैं। शेष वाहनों को भी आगामी दो दिवस में दुरुस्त कर सेवा में लाने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा जिले की एंबुलेंस व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए शीघ्र ही भोपाल से 02 नई (एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस भेजे जाने की जानकारी दी गई है। स्टेट हेड 108 द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी वाहन के तकनीकी कारणों से ऑफ-रोड होने की स्थिति में

टीएल बैटक में कलेक्टर ने दिए निर्देश



हरिभूमि न्यूज़ – नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत आयोजित होने वाले जन विश्वास शिविरों को प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने के लिए

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा (टीएल) बैठक में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा

कि शिविरों की जानकारी स्थानीय लोगों को पहले से दी जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही शिविर में पहुंचकर शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ ले सकें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अधिकारी शिविर से पूर्व ही संबंधित क्षेत्र में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद करें, उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताएं जानें और उन्हें शासन की योजनाओं की जानकारी दें। जन विश्वास शिविर में पात्र व्यक्तियों को उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

संस्कृत सप्ताह का सप्त दिवसीय आयोजन संपन्नवेद पूजन और मंत्र पाठ के साथ हुआ समापन, विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

गोटेगांव। महर्षि पंतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के सप्त दिवसीय कार्यक्रम का समापन पंडित गणेश चौबे संस्कृत विद्यापीठ गोटेगांव में गरिमामय समारोह के साथ हुआ। सप्ताहभर चले आयोजन में विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत प्रतिवेगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।आयोजन के दौरान रक्षाबंधन के अवसर पर श्रावणी उपकारं, वेद पूजन एवं वेद पाठ सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्कृत विषय से संबंधित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।वेद पूजन के साथ हुआ समापनसप्तम दिवस के समापन समारोह के मुख्य



अतिथि शासकीय सांदीपनि सीएम राज्ञ जविद्यालय गोटेगांव के प्राचार्य एसके सिसोदिया रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एसके नाहर ने की। अतिथियों ने विधि-विधान से वेद पूजन किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने अतिथियों के समक्ष वेद मंत्रों का पाठ प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में सांदीपनि विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक-अध्यापिकाओं सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। सांदीपनि विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने संस्कृत विद्यापीठ के विद्यार्थियों को रक्षा सूत्र बांधकर

रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।संस्कृत भाषा के महत्व पर डाला प्रकाशसमारोह में वक्ताओं ने मानव जीवन में संस्कृत भाषा की उपयोगिता और भारतीय संस्कृति में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए कहा गया कि भगवद्गीता मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण ग्रंथ है।वेद आचार्य संतोष शास्त्री ने कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए महर्षि पंतंजलि संस्कृत संस्थान एवं मध्यप्रदेश

शासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की प्राण भाषा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रतिवर्ष संस्कृत सप्ताह जैसे आयोजन किए जाने से संस्कृत भाषा को नई ऊर्जा और प्राणवायु मिलती है।उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिष्ठा मुख्य रूप से दो आधारों पर टिकी है—भारतीय संस्कृति और भारतीय संस्कार। विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात कर राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित जीवन जीना चाहिए। संस्कृत भाषा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।समापन अवसर पर संस्कृत विद्यापीठ के विद्यार्थी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन की उपस्थितजनों ने सराहना करते हुए इसे संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने शिक्षकों का जोरदार प्रदर्शन
नरसिंहपुर जिले के सैकड़ों शिक्षक आंदोलन में शामिल



तेंदूखेड़ा। शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर रविवार को दिल्ली के केशवपुरम स्थित जाट धर्मशाला परिसर में देशभर से आए शिक्षकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए और सरकार से टीईटी की बाध्यता समाप्त करने के लिए लोकसभा में विधेयक लाकर इस संबंध में स्थायी समाधान किए जाने की मांग की गई।इस आंदोलन में नरसिंहपुर जिले के सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से शासकीय विद्यालयों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के

सामने टीईटी की अनिवार्यता को लेकर उत्पन्न स्थिति का समाधान सरकार को संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। हजारों शिक्षकों ने उठाई एकजुट आवाज शिक्षक संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक जगदीश यादव के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने टीईटी की बाध्यता समाप्त करने तथा इस संबंध में स्पष्ट एवं स्थायी नीति बनाने की मांग की।शिक्षकों ने कहा था कि वे वर्षों से शिक्षा



व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में टीईटी की अनिवार्यता को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों का उचित समाधान आवश्यक है। शिक्षकों ने सरकार से मांग की कि उनकी मांग पर संसद में विधेयक लाकर आवश्यक कानूनी प्रावधान किए जाएं ताकि शिक्षकों को राहत मिल सके। लोकसभा में विधेयक लाने की मांग प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से मांग की कि टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए लोकसभा में विधेयक प्रस्तुत कर उसे पारित कराया जाए। शिक्षकों ने कहा कि उनकी मांग केवल किसी

एक राज्य या संगठन तक सीमित नहीं है। बल्कि देशभर के शिक्षकों से जुड़ा विषय है।आंदोलन के दौरान शिक्षकों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। नरसिंहपुर जिले से संयुक्त शिक्षक मोर्चा के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों की सहभागिता को आंदोलन में जिले की महत्वपूर्ण भागीदारी के रूप में देखा गया। शिक्षकों ने कहा कि जब तक टीईटी की बाध्यता को लेकर समाधान नहीं किया जाता तब तक अपनी मांग को लोकातांत्रिक तरीके से सरकार के समक्ष उठाते रहेंगे।